



Mother's Day Summary

Mother's Day Summary- This play is a humorous portrayal of the mother's status in a family. It attempts to show what would happen if a mother rebels and demands her rights. The play was written in the 1950s and is a plea for recognition of the role of a mother.

Mrs Pearson, a woman in her forties, is a pleasant but anxious person. Her neighbor, Mrs Fitzgerald, is much more assertive. She always tells Mrs Pearson not to allow her family to bully her. Mrs Fitzgerald suggests that they should exchange their personalities.

This will lead Mrs Pearson to look like Mrs Fitzgerald and Mrs Fitzgerald to look like Mrs Pearson. Mrs Pearson gets up to leave because she thinks that this will make her family resent her. But Mrs Fitzgerald catches hold of Mrs Pearson, not allowing her to protest. She makes Mrs Pearson believe that this is the right thing to do and mutters- *Arshatta dum arshatta lam-arshatta lamdumbona.*

A change takes place, Mrs Pearson becomes bold and dominating like Mrs Fitzgerald, and Mrs Fitzgerald becomes anxious and nervous like Mrs Pearson.

In the second scene, Mrs Pearson, who is actually Mrs Fitzgerald, waits for her family. She starts smoking and laying cards on the table. Doris, Pearson's daughter, rushes in. She is shocked to see her mother smoking a cigarette. Mrs Pearson refuses to make tea for Doris and makes fun of Charlie Spence, Doris' date, by calling him half-witted and buck-teeth. Doris starts crying and leaves. Her son, Cyril, walks in and is in hurry to go out.

Mrs Pearson refuses to make tea for him or get his clothes ready. She declares she hates mending and tells him, that like him, she wouldn't do anything which she doesn't like. Mrs Pearson tells her children that she will work for 40 hours a week and will take two days off. Her husband, George Pearson, is surprised to see her drinking. He is terribly hurt when Mrs Pearson tells him that people at the club laugh at him behind his back and call him 'Pompy-ompy Pearson'.

In the next scene, Mrs Fitzgerald, who is actually Mrs Pearson, comes in to find out if things are all right in her home. She is flustered to see the way real Mrs Fitzgerald is treating her family. She can't see her family in this miserable state. Hence, she requests Mrs Fitzgerald to change back to their original personalities. They change back to their original selves and Mrs Fitzgerald leaves, warning Mrs Pearson not to be lenient again.

In the last scene - Doris, Cyril and George come in, looking anxious. They are much relieved to see the real Mrs Pearson smile at them. They agree to stay at home and play a game of rummy with her. She decides that after the game, Doris and Cyril will prepare the supper, and she will have a talk with her husband, George.

Mother's Day Summary in Hindi

यह नाटक परिवार में माँ की स्थिति का एक हास्य चित्रण है। इसमें यह दिखाने की कोशिश की गई है कि अगर एक माँ बगावत कर अपने अधिकारों की मांग करे तो क्या होगा। यह नाटक 1950 के दशक में लिखा गया था और यह एक माँ की भूमिका को मान्यता देने की अपील है।

श्रीमती पियर्सन, जो लगभग चालीस वर्ष की महिला हैं, एक खुशमिजाज़ लेकिन चिंतित महिला हैं। उसका पड़ोसन, श्रीमती फिट्जेराल्ड, कहीं अधिक मुखर हैं। वह हमेशा श्रीमती पियर्सन से कहती है कि वह अपने परिवार को उसे धमकाने न दें। श्रीमती फिट्जेराल्ड का सुझाव है कि उन्हें अपने व्यक्तित्वों का परिवर्तन करना चाहिए।

इससे श्रीमती पियर्सन श्रीमती फिट्जेराल्ड जैसी दिखने लगेंगी और श्रीमती फिट्जेराल्ड श्रीमती पियर्सन जैसी दिखने लगेंगी। श्रीमती पियर्सन जाने के लिए उठती हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि इससे उनके परिवार वाले उनसे नाराज़ हो जायेंगे। लेकिन श्रीमती फिट्जेराल्ड ने श्रीमती पियर्सन को पकड़ लिया और उन्हें विरोध करने की अनुमति नहीं दी। वह श्रीमती पियर्सन को विश्वास दिलाती है कि यह करना सही काम है और बुदबुदाती है- अर्शत्ता दम अर्शत्ता लम-अर्शत्ता लम्दुम्बोना।

एक परिवर्तन होता है, श्रीमती पियर्सन श्रीमती फिट्जेराल्ड की तरह साहसी और हावी हो जाती हैं, और श्रीमती फिट्जेराल्ड श्रीमती पियर्सन की तरह चिंतित और घबरा जाती हैं।

दूसरे दृश्य में, श्रीमती पियर्सन, जो वास्तव में श्रीमती फिट्जेराल्ड हैं, अपने परिवार की प्रतीक्षा करती हैं। वह धूम्रपान करना शुरू कर देती है और मेज पर कार्ड रखना शुरू कर देती है। पियर्सन की बेटी डोरिस अंदर आती है। वह अपनी माँ को सिगरेट पीते देखकर चौंक जाती है। श्रीमती पियर्सन ने डोरिस के लिए चाय बनाने से इंकार कर दिया और डोरिस के साथी चार्ली स्पेंस को आधा बुद्धि वाला और हिरन के जैसे दांतेदार कहकर उसका मजाक उड़ाया। डोरिस रोने लगती है और चली जाती है। उसका बेटा, सिरिल, अंदर आता है और वह बाहर जाने की जल्दी में है।

श्रीमती पियर्सन ने उसके लिए चाय बनाने या उसके कपड़े तैयार करने से इंकार कर दिया। वह घोषणा करती है कि उसे सुधार करना पसंद नहीं है और वह उससे कहती है, कि उसकी तरह, वह ऐसा कुछ भी नहीं करेगी जो उसे पसंद न हो। श्रीमती पियर्सन ने अपने बच्चों से कहा कि वह सप्ताह में 40 घंटे काम करेंगी और दो दिन की छुट्टी लेंगी। उनके पति, जॉर्ज पियर्सन, उन्हें शराब पीते देखकर आश्चर्यचकित रह जाते हैं। वह बहुत आहत हुआ जब श्रीमती पियर्सन ने उसे बताया कि क्लब में लोग उसकी पीठ पीछे उस पर हंसते हैं और उसे 'पॉम्पी-ओम्पी पियर्सन' कहते हैं।

अगले दृश्य में, श्रीमती फिट्जेराल्ड, जो वास्तव में श्रीमती पियर्सन हैं, यह पता लगाने के लिए आती हैं कि क्या उनके घर में चीजें ठीक हैं। वह यह देखकर व्याकुल हो जाती है कि असली श्रीमती फिट्जेराल्ड उसके परिवार के साथ कैसा व्यवहार कर रही है। वह अपने परिवार को इस दयनीय स्थिति में नहीं देख सकती। इसलिए, वह श्रीमती फिट्जेराल्ड से अपने मूल व्यक्तित्व में वापस आने का अनुरोध करती हैं। वे वापस अपने मूल स्वरूप में आ जाते हैं और श्रीमती फिट्जेराल्ड श्रीमती पियर्सन को फिर से उदार न होने की चेतावनी देते हुए चली जाती हैं।

आखिरी दृश्य में - डोरिस, सिरिल और जॉर्ज चिंतित होकर अंदर आते हैं। असली श्रीमती पियर्सन को अपनी ओर मुस्कराते हुए देखकर उन्हें बहुत राहत मिली। वे घर पर रहने और उसके साथ रग्मी का खेल खेलने के लिए सहमत हुए। उसने फैसला किया कि खेल के बाद, डोरिस और सिरिल रात का खाना तैयार करेंगे, और वह अपने पति जॉर्ज से बात करेगी।